

राजपत्न, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोयबार, 1 सितम्बर 2003/10 भाद्रपद, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

लोक निर्माण विभाग

ग्रधिसूचनाएं

शिमला-2, 23 ग्रगस्त, 2003

संख्या पी0 बी0 डब्ल्यू0 बी0 ए०(7) 1-9 2/02.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव भरमौर, मलकौता, गोसन व संबूई, तहसील भरमौर, जिला चम्बा में पट्टी से भरमाणी सड़क के निर्माण हेतु भूमि ग्राजित करनी अपेक्षित है। श्रतएव एतद्द्वारा यह ग्राधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत में जैसा कि निम्न विवरणों में निदिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का ग्राजन ग्रेपेक्षित है।

2. यह श्रधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भूमि श्रर्जन श्रधिनियम, 1894 की धारा-4 के उपबन्धों के प्रन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदल्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी ध्रधिकारियों, उनके कर्मचारियों धीर श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में भ्रवेश करने धीर सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा भ्रपेक्षित ध्रथवा ध्रनुमत ग्रन्य सभी कार्यों को करने के

F	विस्तृत विवरणी	तहसील :	भरमी	7
गिला: चम्बा ————————————————————————————————————	en e	तह्वाल .	स रमा 	_
		्रक्षे		
गांव 1	खस रा नं 0 2	वीघा	बिस्वा 3	ì
the control of the second section of the	inn jarofine tirk har har stegge gang gang tira som som kanpingsten jarofine som jeggefander farir fore tirk tirk territori som			-
भरमोर	1548/1	0	12	
भ्लकोता	1212/1	0	10	
	1213/1	0	1	
	1215/1	0	2	0
	1217	0	3	
	1218/1	0	2	
	1219/1	0	8	,
	1226/1	9	5	
	1227	0	14	
	1409/1	0	7	i
	1410/1	0	9	,
	1 41 1/1	1	3	*
	1413/1	0	3	
	3124/1423	0	7	
	1428/1	0	13	
	1 42 9/1	0	4	
	1436/1	0	3	
	1 44 0 / 1	0	7	
	1477/1	0	2	
	1 48 0/1	0	5	
	1 4 8 9/1	0	2	أرب
	1491/1	0	4	
	1 49 2/1	0	5	
	1 493/1	. 0	6	1
	1494/1	•	4	1
4 4	1 499/1	0	2	
	1626	0	10	
	1664/1	0	2	

1667/1

1

			641
	2	-	·
	1 66 9/1	8	10
	1765/1	0	8
	1769/1	0	8
·	1770	0	2
*	1771/1	n	2
	1772	0	5
	1775/1	0	9
	1782/1	0	1
- 4	1782/2	0	1
	1783/1	0	1
	1789	0	7
	1790/1	0	9
	1791/1	0	. 2
	1792/1	0	8
	1793/1	0	16
	1794/1	0	5
	1877/1	0	2
•	1 95 7/1	0	5
	1959/1	0	4
v v	1960	0	. 2
	1963/1	0	1
	1964/1	0	13
· ·	27 62/1	0	1
* 3 * *	2766/1	0	4
,	2767/1	9	
	2768	0	
	2769/1	0	;
	कित्ता . 55	15	
	1389/1122/1	0	1 (
गोसन	1322/1	0	
संचूई	1322/2	0	1
	1323/1	0	10
	1411/1	1	4
والمنافق المنافق	1412/1	1	ď
*** * *	1469/1 1 52 5		

			3
•	1 52 6	0	4
	1531	0	15
	1532/1	0	6 3
•	1533/1	0	7.1
·	1618/1	0	8
. *	1643/1	0	11
	1644/1	0	2
	1673/1	0	2
· ·	1682/1	0	11
	1683/1	0	12
	1689/1	0	1 5
	1691/1	0	3
1.42	1692/1	0	3
	किता 20	8	1
2. यह ग्रधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, ज	ों के अन्तर्गत जारी की जाती है।		कालए
मि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-4 क उपबन्त अर्जन अधिन प्रयोग है उस स्वित्यों का प्रयोग हार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों स्वेत उस उस उस स्वारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत अन्य 4. कोई भी हितबढ़ व्यक्ति, जिसे उक्त परि	ा के अन्तर्गत जारा का जाता है। करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इ को इलाके की किसी भी भूमि में प्र सभी कार्यों को करने के लिए सह [©] तेन में कथित भूमि के ग्रर्जन पर देन की ग्रवधि के भीतर लिखित रूप	स समय इस उ वेश करने और प्राधिकार देते कोई भ्रापत्ति में भ-ग्रजैन	उपक्रम में सर्वेक्षण ते हैं। दो तो
मि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-4 क उपबन्त अर्जन अधिन धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग तर्यं त सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों एने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत अन्य 4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति, जिसे उक्त परि	ा के अन्तर्गत जारा का जाता है। करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इ को इलाके की किसी भी भूमि में प्र सभी कार्यों को करने के लिए सह [©] तेन में कथित भूमि के ग्रर्जन पर देन की ग्रवधि के भीतर लिखित रूप	स समय इस उ वेश करने और प्राधिकार देते कोई भ्रापत्ति में भ-ग्रजैन	उपक्रम में सर्वेक्षण ते हैं। दो तो
मि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-4 क उपबन्त अपूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग जार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और अमिको एने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत अन्य 4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति, जिसे उक्त परिष्ह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) विकास विभाग (उत्तरी क्षेत्र), कांगड़ा के समक्ष	ा के अन्तर्गत जारा का जाता है। करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इ को इलाके की किसी भी भूमि में प्र सभी कार्यों को करने के लिए सह [©] तेन में कथित भूमि के ग्रर्जन पर देन की ग्रवधि के भीतर लिखित रूप	स समय इस उ वेश करने और प्राधिकार देवे कोई भ्रापत्ति में भू-भ्रजेंन ।	उपक्रम में इसर्देक्षण हैं हैं। हो, तो समाहर्ता
मि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-4 क उपबन्त अपूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग जार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और अमिको एने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत अन्य 4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति, जिसे उक्त परिष्ह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) विकास विभाग (उत्तरी क्षेत्र), कांगड़ा के समक्ष	ा के अन्तर्गत जारा का जाता है। करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इ को इलाके की किसी भी भूमि में प्र सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष क्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर देन की ग्रवधि के भीतर लिखित रूप श्रपनी ग्रापत्ति दायर कर सकता है	स समय इस र वेश करने और प्राधिकार देते कोई श्रापत्ति में भू-ग्रर्जन । तहसील : '	उपक्रम में इसर्वेक्षण हो, तो हो, तो समाहर्ता कतेहपुर
मि म्रजंत म्राधिनियम, 1894 की धारा-4 क उपबन्त 3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग तयंरत सभी ग्रिधिकारियों, उनके कर्मचारियों स्नौर श्रमिकों रने तथा उस धारा द्वारा श्रपेक्षित ग्रथवा श्रनुमत ग्रन्य 4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति, जिसे उक्त परिष् ह इस ग्राधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) है तिक निर्माण विभाग (उत्तरी क्षेत्र), कांगड़ा के समक्ष	ा के अन्तर्गत जारा का जाता है। करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इ को इलाके की किसी भी भूमि में प्र सभी कार्यों को करने के लिए सह ⁶ केत में कथित भूमि के प्रर्जन पर देन की ग्रवधि के भीतर लिखित रूप अपनी ग्रापत्ति दायर कर सकता है	स समय इस उ वेश करने और प्राधिकार देते कोई श्रापत्ति में भू-प्रजैन । तहसील : '	उपक्रम में इसर्वेक्षण हो, तो हो, तो समाहर्ता कतेहपुर क्षेत्र
मि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-4 क उपबन्त अप्तान प्राप्त हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग तथेरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों एने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत अन्य 4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति, जिसे उक्त परिष्ट इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) कि निर्माण विभाग (उत्तरी क्षेत्र), कांगड़ा के समक्ष विस्तृत	ा के अन्तर्गत जारा का जाता है। करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इ को इलाके की किसी भी भूमि में प्र सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष क्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर देन की ग्रवधि के भीतर लिखित रूप श्रपनी ग्रापत्ति दायर कर सकता है	स समय इस उ वेश करने और प्राधिकार देते कोई श्रापत्ति में भू-प्रजैन । तहसील : '	उपक्रम में इसर्वेक्षण हो, तो हो, तो समाहर्ता कतेहपुर क्षेत्र
मि म्रजंत म्रिधिनियम, 1894 की धारा-4 क उपबन्त अप्तित धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग गर्यरत सभी ग्रिधिकारियों, उनके कर्मचारियों स्नौर श्रिमिकों रने तथा उस धारा द्वारा भ्रपेक्षित ग्रथवा श्रनुमत ग्रन्य 4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति, जिसे उक्त परिष् ह इस ग्रिधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) कि निर्माण विभाग (उत्तरी क्षेत्र), कांगड़ा के समक्ष विस्तृत	ा क अन्तगत जारा का जाता है। करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इ को इलाके की किसी भी भूमि में प्र सभी कार्यों को करने के लिए सह ⁶ तेन में कथित भूमि के प्रजंन पर देन की ग्रवधि के भीतर लिखित रूप अपनी ग्रापत्ति दायर कर सकता है विवरणी खसरा नं0	स समय इस उ वेश करने और प्राधिकार देते कोई भ्रापत्ति में भू-भ्रजैंन । तहसील : प्	उपक्रम में इसर्वेक्षण हो, तो हो, तो समाहर्ता कतेहपुर
मि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-4 क उपबन्त अप्तान प्राप्त प्राप्त मिन्न धारा द्वारा प्रदत्त मिन्तयों का प्रयोग तर्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों रने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत अन्य 4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति, जिसे उक्त परिष् ह इस अधिसूचना के प्रकाणित होने के तीस (30) कि निर्माण विभाग (उत्तरी क्षेत्र), कांगड़ा के समक्ष विस्तृत जेला : कांगड़ा	ा क अन्तगत जारा का जाता है। करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इ को इलाके की किसी भी भूमि में प्र सभी कार्यों को करने के लिए सह ⁶ तेत्र में कथित भूमि के प्रजंन पर देन की अवधि के भीतर लिखित रूप अपनी आपत्ति दायर कर सकता है विवरणी खसरा नं0 277 1	स समय इस उ वेश करने और शिधकार देते कोई भ्रापत्ति में भू-भ्रजेंन । तहसील : प्	उपक्रम में सर्वेक्षण हें हैं। हो, तो समाहर्ता फतेहपुर क्षेत्र
मि म्रजंत म्रिधिनियम, 1894 की धारा-4 क उपबन्त अप्तित धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग गर्यरत सभी ग्रिधिकारियों, उनके कर्मचारियों स्नौर श्रिमिकों रने तथा उस धारा द्वारा भ्रपेक्षित ग्रथवा श्रनुमत ग्रन्य 4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति, जिसे उक्त परिष् ह इस ग्रिधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) कि निर्माण विभाग (उत्तरी क्षेत्र), कांगड़ा के समक्ष विस्तृत	ा क अन्तगत जारा का जाता है। करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इ को इलाके की किसी भी भूमि में प्र सभी कार्यों को करने के लिए सह [©] तेन में कथित भूमि के प्रर्जन पर देन की ग्रवधि के भीतर लिखित रूप अपनी ग्रापत्ति दायर कर सकता है विवरणी खसरा नं0 277/1 278/1	स समय इस उ वेश करने और शिधकार देते कोई श्रापत्ति में भू-ग्रजेंन । तहसील : ' (हैक्टें 0 (उपक्रम में सर्वेक्षण हे , तो समाहर्ता कतेहपुर क्षेत्र (थर में) 06 01 02 19
मि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-4 क उपबन्त अप्तान प्राप्त प्राप्त मिन्न धारा द्वारा प्रदत्त मिन्तयों का प्रयोग तर्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों रने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत अन्य 4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति, जिसे उक्त परिष् ह इस अधिसूचना के प्रकाणित होने के तीस (30) कि निर्माण विभाग (उत्तरी क्षेत्र), कांगड़ा के समक्ष विस्तृत	ा क अन्तगत जारा का जाता है। करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इ को इलाके की किसी भी भूमि में प्र सभी कार्यों को करने के लिए सह ⁶ तेत्र में कथित भूमि के प्रजंन पर देन की अवधि के भीतर लिखित रूप अपनी आपत्ति दायर कर सकता है विवरणी खसरा नं0 277 1	स समय इस उ वेश करने और शिधकार देते कोई प्रापित में भू-ग्रर्जंन । तहसील : ' (हैक्टें 0 (उपक्रम में (सर्वेक्षण ो हैं। हो, तो समाहर्ता फतेहपुर क्षेत्र हेयर में)

19 07

शिमला-2, 25 ग्रगस्त, 2003

संख्या पी0 बी0 डब्ल्य 0 (बी) (7) 1-78/2003.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है. कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारो ब्यय पर मार्वेजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव फाटी कशावरी, तहसील व जिला कुल्लू में राष्ट्रीय उच्च मार्ग-21 पर जिथा पुल के निर्माण हेतु भूमि श्रजित करनी ग्रंपीक्षत है। अतएव एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का श्रजंन ग्रंपेक्षित है।

- 2. यह प्रधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भूमि ग्रर्जन अधिनियम, 1894 की घारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाता है।
- 3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके को किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।
- 4. कोई भी हितवढ व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के ग्रर्जन पर कोई ग्रापित हो तो वह इस प्रधिसूचना के प्रकाणित होने के तीम (30) दिन की ग्रयधि के भीतर लिखित रूप में भू-ग्रर्जन समाहर्ता, लोक निर्माण विभाग, मण्डी के समक्ष ग्रपनी ग्रापित दायर कर सकता है।

विस्तृत विवरणी

	 		क्षेत्र	
ां गांव	खमरा नं0	बी 0	ৰি0 বি	वस्वा <u>ं</u>
फाटी कशावरी	 391 1/2749/1	0	03	17
the frage	3898/2748/1	0	03	00
	3858/2760/1	0	00	04
7.	3860/2761/1	0	00	11
	3862/2762/1	0	01	08
	3927/2763/1	0	03	01
	38 37/2 771/1	0	01	0.0
	2770/1	0	02	15
	3881/2775/1	0	02	16
	3932/2776/1	0	00	15

कित्ता

10

शिमला-2, 11 भ्रगस्त, 2003

संख्या लो0 नि0 (ख) (7) ए0(7) 1-61/02. — यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को मरकारी ब्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव शिंगला, तहसील रामपुर, जिला शिमला में डकोलर-शिंगला सड़क के निर्माण हेतु भूमि ली जानी अपेक्षित है। अतएव एतद्द्वारा यह घोषित किया जाता है कि नीचे विवरणी में विणत भूमि उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

2. यह घोषणा, भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 6 के उपवन्धों के अधीन इसमे सम्बन्धित सभी व्यक्तियों की सूचना हेतु की जाती है तथा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन मू-अर्जन ममाहर्ता, लोक निर्माण

गाव				खसरा	नं 0			क्षेत्र (हैक्टेयर	में)
जिला: शिमला							नहस	गिलः रा	मपुर
		विवरर्ण	t						
 भूमि का रेखांक भू-म्रर्जन निरीक्षण किया जा सकता है। 	समाहर्ता,	लोक निर्माण	विभाग,	विन्टर	फाल्ड	ाशमला	ক	कायालय	H
					-2		ے		*
व्यक्तियां की सूचना हतु की जीता ह विभाग, शिमला-3 को उक्त भूमि कै	प्रजन क	रन क प्रादश	लन का	एतद्द्वारा	ानदश	दिया	जाता	ह।	

गाव	खसरा नं 0	(है	क्षेत्र क्टेयर	
जिगला	787/1	0	06	31
	783/1	0	00	32

गाव	खसरा नं0	(है	क्षेत्र क्टेयर	में)
जगला	787/1	0	06	31
31.1811	783/1	0	00	32
	784/1	0	00	78
	788/1	0	00	21
	444/1	0	01	96
	445/1	0	01	26
	446/1	0 .	00	83
	447/1	0	00	21
	461	0	00	96
	462	0	00	38
	460/1	0	00	8
	468	0	00	5
•	465/1	0	0.1	3
	4 59/1	0	00	6
	589	. 0	01	4
	591	0	01	5
		ب مست درد در		
	किता 16	0	19	4

शिमला-2, 23 ग्रगस्त, 2003

संख्या पी 0 बी 0 डब्ल्यू 0 बी 0 ए 0 (6) 3-4/2003. यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर मार्ब जिनक प्रयोजन हेतु नामतः उप-महाल बाड़ी, तहसील कांटखाई, जिला शिमला में धाली-डकाहल वैली मड़क के निर्माण हेतु भूमि अजित करनी अपेक्षित है। अतएव एतद्द्वारा यह अधिस्चित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

- यह प्रधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भृतिः प्रजंत प्रधिनियम, 1894 की धारा-4 के उपबन्धों के ग्रन्तगंत जारी की जाती है।
- 3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने घोर सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित प्रथवा ग्रनुमत ग्रन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।
- 4. म्रत्याधिक म्रावश्यकता को दृष्टि में रखते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश उक्त म्रधिनियम की धारा-17(4) के म्रधीन यह भी निर्देश देते हैं कि उक्त म्रधिनियम की धारा-5 ए के उपवन्ध इस मामले में लागू नहीं होंगे।
- 5. भूमि के सम्बन्धित रेखांक का निरीक्षण भू-श्रर्जन समाहर्ता, लोक निर्माण विभाग (दक्षिण क्षेत्र) शिम ला के कार्यालय में किया जा सकता है।

	विस्तृत विवरणी	तहसील : कोटखाई
जिला: शिमला		क्षेत्र
nt a	खसरा नं०	(हैक्टेयर में)
गांव	422/1	0 03 68
उप-महाल बाड़ी		

प्रादेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-प्रधान सचिव ।